गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रेस विज्ञप्ति **दिनांक : 11.11.2011**

बिलासपुर : गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर दिनांक 11. 11.2011 को डॉ. अबुल कलाम की जयंती के साथ ही 'शिक्षा जगत में वर्तमान राजनीति का विपरीत असर पड़ रहा है' विषय पर भाषण प्रतियोगिता, केमिकल इंजीनियरिंग स्टूडेण्ट्स सोसाइटी (चेस) का उद्घाटन व चेस की साइट की लांचिंग तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रायोगित समाचार पत्र 'परिसरवार्ता' के तृतीय अंक का विमोचन किया गया।

मौलाना आजाद के बताये रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : कुलपति

रजत जयंती सभागार में आयोजित मौलान अबुल कलाम आजाद के जयंती समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम के बताये रास्ते पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षकों एवं छात्रों को मिलजुल कर कार्य करने पर बल दिया।

इस अवसर पर कुलपति ने स्पष्ट किया कि प्राइवेट परीक्षार्थियों से सम्बन्धित निर्णय शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए किय गया है जिसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जायेगा।

मुख्य अतिथि शिक्षाविद् डॉ. वी.के. मिश्र ने कहा कि शिक्षित वही है जिसमें मानवीय गुणों व नैतिक मूल्यों का समावेश हो। आज शिक्षालयों में शिक्षकों की संख्याबल में भारी कमी है। बिना शिक्षकों के अध्यपान कार्य मुश्किल है।

कार्यपरिषद सदस्य श्री जावेद उस्मानी ने कहा कि मौलाना आजाद ने देश के निर्माण के लिए रूढ़िवादिता को तोड़ा। आधुनिकता को अपनाया। उन्होंने हिन्दुस्तान के टूटे दिलों को जोड़ने का काम किया। अच्छे नागरिक बनने के लिए अच्छी शिक्षा की जरूरत है।

कार्यपरिषद की सदस्य डॉ. भारती भट्टाचार्या ने कहा कि मौलाना कलाम का राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक क्षेत्र में महती योगदान है। शिक्षा बहुत बड़ा शस्त्र है। सुशासन, सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था शिक्षा से ही लायी जा सकती है। आरंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा, गुरु घासीदास जी एवं मौलाना अबुल कलाम के छायाचित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एस.व्ही.एस. चौहान ने किया। इस अवसर पर समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

अनिरुद्ध पाण्डेय ने जीती भाषण प्रतियोगिता

भाषण प्रतियोगिता में एमएससी के छात्र अनिरुद्ध कृष्ण पाण्डेय ने प्रथम, शासकीय महाविद्यालय की छात्रा नियति अग्रवाल ने द्वितीय व बीकाम की छात्रा सुचित्रा रंगलानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने विजेताओं को क्रमशः ढाई हजार, दो हजार व डेढ़ हजार रुपये के पुरस्कार व मौलाना आजाद की पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया गया।

क्या कहा भाषण के प्रतिभागियों ने

भाषण प्रतियोगिता में बी.एड. के छात्र सच्चिदानंद साहू ने कहा कि मौलाना आजाद भी एक राजनीतिक व्यक्ति थे। उस समय राजनीति का उचित हस्तक्षेप से शिक्षा को विकास का रास्ता मिला। आज राजनीति दूषित हो गयी है। भ्रष्टाचार के चुंगल में फंसे राजनीतिक शिक्षा को किस रास्ते पर ले जायेंगे, सोचनीय है। बीए जेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र अक्षय दुबे ने कहा कि शिक्षा पर राजनीति का विपरीत असर पड़ रहा है। पाठ्यक्रमों में प्रवेश, नियुक्ति आदि में राजनीतिक हस्तक्षेप शिक्षा को गिरते स्तर पर ले जा रहा है। कुमारी प्रियंका बोस ने कहा कि राजनीतिज्ञों ने हमेशा छात्रों को अपना हित साधने में मैनुपलेट किया है। उनका उद्देश्य कभी भी छात्रों का विकास नहीं रहा है।

परिसर वार्ता के तृतीय अंक का विमोचन

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर रजत जयंती सभागार में ही पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रायोगिक समाचार पत्र 'परिसर वार्ता' के तृतीय अंक का विमोचन माननीय कुलपति डॉ.

लक्ष्मण चतुर्वेदी सहित सम्मानित अतिथियों ने किया। परिसर वार्ता का यह अंक इसलिए खास था कि इसका मुद्रण रंगीन कागज पर किया गया था। साथ ही इस अंक को छात्रों पर केन्द्रित किया गया था। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी लोगों को परिसर वार्ता के अंक की प्रति भेंट की गयी।

'चेस' उद्घाटित व वेबसाइट लांच

इसी क्रम में आई.टी. के ई–क्लास रूम में माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने दिनांक 11 नवम्बर, 2011 को केमिकल इंजीनियरिंग स्टूडेण्ट्स सोसाइटी (चेस) का उद्घाटन व इस सोसाइटी की वेबसाइट लांच की। लांचिंग समारोह में माननीय कुलपति डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। उन्हें हर तरह से सहयोग किया जायेगा लेकिन इस विश्वविद्यालय में अनुशासनहीनता कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। एन माइनस फोर के मामले में भी नियम–कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जायेगी। सड़क पर जाकर दबाव बनाने से कुछ नहीं होगा। विश्वविद्यालय के आर्डिनेन्स का सख्ती से पालन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जीवन भी चेस (शतरंज) की खेल की तरह है। जिस प्रकार चेस में विजय के लिए किलेबंदी की जाती है, पूरे समय चौकसी बरतनी पड़ती है उसी प्रकार जीवन में भी लक्ष्य पाने के लिए सीधी दृष्टि व सतत प्रयास करने की जरूरत है। जीवन में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करें। अनुशासित रहें। सही दिशा में कार्य करें। माननीय कुलपति ने उम्मीद जतायी कि यह सोसाइटी न केवल आईटी के लिए बल्कि विश्वविद्यालय के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर आईटी के डीन प्रो. एस.एन. साहा, डॉ. मनीष श्रीवास्तव, श्री शैलेन्द्र सिंह सहित आईटी के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षकगण एवं छात्र– छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन केमिकल इंजीनियरिंग का छात्र विकास पटेल व धन्यवाद ज्ञापन अमित जैन ने किया।

सोसाइटी की कोर कमेटी में ये लोग हैं शामिल

केमिकल इंजीनियरिंग स्टूडेण्ट्स सोसाइटी की कोर कमेटी में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रत्येक वर्ष के चार–चार छात्र–छात्राओं को शामिल किया गया जिनमें प्रेसिडेण्ट –अमित जैन के अलावाम आकांक्षा देशमुख, निधि मेहता, दीपक कुमार मिश्र, सुरभि देशपाण्डेय, अभिमन्यु चक्रवर्ती, ऋतु ठाकुर, शिशिर चौधरी, आकाश दुबे, दीपक कुमार सिंह, सौम्यादीप साहा, ओम कुमार अग्निहोत्री, विकास पटेल, अभिषेक त्रिपाठी, ग्लेन सेवियो पाल्मर आदि सदस्य शामिल हैं।